प्रयागराज, रविवार
1 सितंबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 22+2+4=28

दैनिक जागरण

www.jagran.com

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

आजम खां के परिजनों पर भी कसा शिकंजा 11

भाईचारे के लिए साथ काम कर सकते हैं संघ व जमीयत 13

मुद्दा

840% साबां में ज्यादा फैट, 350 फ्रीसद फाइबर और 1229 फ्रीसद आयरन

633% कोदो में चावल की तुलना में अधिक खनिज तत्व

3340% रागी में अधिक कैल्शियम

85% बाजरा में अधिक फॉस्फोरस

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं। 15 दैनिक जागरण 01 सितंबर 2019

संतुलित कृषि क्रांति की दरकार

आज एक ऐसी सदाबहार हरित क्रांति की आवश्यकता है, जो बीजों एवं फसलों की विविधता बनाये रखते हुए पर्यावरणीय विशिष्टताओं के अनुरूप हो एवं सतत पौष्टिक आहार उपलब्ध करा सके।

प्रो कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति-उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक की पूर्णता की ओर अग्रसर मानव समुदाय विविध तकनीकी कारणों से बहुआयामी समस्याओं से जूझ रहा है। असंतुलित आहार एवं कुपोषण जैसी चुनौतियां उनमें से एक है, जो प्रकारांतर से अंधाधुंध अपनाई जाने वाली तकनीकी कारणों का प्रतिफल हैं।

एक क्षेत्र की संरचना, मिट्टी, जलसंसाधन एवं वानस्पतिक तथा प्राणि जगत दूसरे क्षेत्र से सर्वथा भिन्न है। इस विविधता एवं भिन्नता के अनुरूप अलग-अलग फसलों का उत्पादन नैसर्गिक प्रक्रिया है, जो हजारों वर्षों के बाद बीजों की विविधता के रूप में विकसित हुई। भौगोलिक विशिष्टता एवं विविधता के अनुरूप विकसित ये बीज अनेकानेक पोषण तत्वों यथा लौह तत्व, मैगनीज,फॉस्फोरस, प्रोटीन आदि तत्वों से भरपूर होते थे, परंतु कृषि क्रांति ने परंपरागत पोषण से पुष्ट फसलों यथा सांवा, कोदो, मडुवा, टांगुन, दलहन, तिलहन आदि को लील लिया। आज पूरा चिकित्सा जगत परंपरागत 'मोटे अनाज' कहे जाने वाले खाद्यान्नों को खाने का सुझाव दे रहा है, जो हमारी प्रचलित कृषि व्यवस्था पर सोचने के लिए वैकल्पिक कृषि हेतु नियोजकों एवं नीति निर्धारकों को ध्यानाकर्षित कर रहा है। हरित क्रांति से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में बीजों की एवं फसलों की इतनी विविधता थी, कि हर खेत की प्रकृति के अनुसार अलग-अलग बीजों एवं फसलों का चयन किया जाता था, जो मानसूनी लीला, अतिवृष्टि एवं अनावृष्टि को सहन करते हुए पर्याप्त उत्पादन देते थे। धान की बीजों की इतनी विविधता थी, कि यदि हर किस्म के धान के एक-एक टुकड़े को घड़े में रखा जाय तो वह घड़ा भर जाता था। कुछ खेतों का नामकरण तो उन विशिष्ट फसलों के आधार पर होता था। हरित क्रांति के आगमन के थोड़े ही समय में सिंचाई, कीटनाशक, संकरबीज एवं रसायनिक उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ाकर गेहूं एवं धान जैसी फसलों का उत्पादन तो बढ़ गया, जो तत्कालीन जनसंख्या विस्फोट के परिणाम स्वरूप बढ़ती जनसंख्या के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक था, परंतु बिना क्षेत्रीय भौगोलिक विविधताओं एवं विशिष्टताओं का विचार किये, इस अस्वाभाविक क्रांति के चलते भूमि की नैसर्गिक उर्वराशक्ति में ह्रास, भूगर्भिक जल सिकुड़न एवं असंतुलन, बीज विविधता का विलोपन, खाद्य पदार्थों की विषाक्तता जैसी समस्याएं मुखरित हुईं, जो अब इस प्रचलित कृषि पद्धति की निरंतरता के आगे एक प्रश्न वाचक चिह्न हैं। फसलों की विविधता समाप्त होने के कारण सम्प्रति कृषि कुछ ही गिनी चुनी फसलों पर आश्रित होती जा रही है, जो मिट्टी के पारिस्थितिकीय संतुलन के लिए संकट होने के साथ-साथ पौष्टिक एवं संतुलित आहार की उपलब्धता के लिए भी संकट है। इस समसामयिक संकट से उबरने के लिए नियोजकों एवं नीति निर्धारकों से प्रचलित कृषि व्यवस्था पर ध्यान अपेक्षित है, जिससे वैकल्पिक कृषि का मार्ग प्रशस्त हो सके।

सामान्य गेहूं में जहां अल्प अवधि में घुन लग जाता है वहीं मडुआ का दाना दो दशक तक ज्यों का त्यों बना रहता है।

23%
काबुली चने में प्रोटीन

81%
100 ग्राम चावल की तुलना में कंगनी अधिक पौष्टिक

जनमत

हां 92% 08% नहीं

क्या गुणवत्ता से भरपूर मोटे अनाजों के प्रति हमारी नकारात्मक और अज्ञान सोच ने देश को सुपोषण से वंचित रखा है?

हां 88% 12% नहीं

क्या कुपोषित आबादी को विटामिंस सप्लीमेंट देने की जगह पौष्टिक खुराक मुहैया कराना सरकार का ज्यादा कारगर कदम होगा?

आपकी आवाज

हमारे देश के मोटे अनाज भी गरीबी – अमीरी के भेद का शिकार हुए हैं। जबकि वक्त के साथ अगर मोटे अनाजों को स्वाद और नये-नये व्यंजनों से जोड़ा जाता तो विटामिन सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत न पड़ती और आपूर्ति होने पर इनका कृषि उत्पाद भी अधिक होता। अभी भी प्रचार प्रसार और संरक्षण से यह खाने के मेन्यू में प्रथम पसंद बन सकते हैं। अमन कुमार रुड़की

आधुनिकता के इस दौर में हम मोटे अनाज को बिल्कुल ही नजरअंदाज कर चुके हैं। मोटे अनाज गेहूं और चावल की अपेक्षा अधिक पोषणयुक्त होते हैं। इनपर जलवायु परिवर्तन का भी कम असर होता है। प्रसुन दुबे

दरअसल इंसान बड़ा विचित्र जीव है। जब उसके पास जो चीज अधिक मात्रा में होती है तो उसकी बेकद्री करना शुरू कर देता है। मोटे अनाजों के साथ यही हुआ। आज अगर हम अपने खुराक में इन अनाजों को शामिल कर लें, तो हर महीने दवाओं के मद में भारी व्यय न करना पड़े। रिंकू सिंह

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
05 सितम्बर, 2019

शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण– प्रो.सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल तथा इलाहाबाद बैंक ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के बीच परस्पर सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि लायन्स के डॉ0 आर.के.एस चौहान जी रहे तथा विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता जी रही एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण गुप्त एवं डॉ0 हिमांशु गुप्त ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब की तरफ से कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. आर.पी.एस. यादव, प्रो. पी.के पाण्डेय, प्रो जी.एस.शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता ताथा डॉ. विनोद कुमार गुप्ता को लायन्स क्लब की तरफ से अंग्रवस्त्र तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया गया ।

शिक्षक दिवस समारोह में इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने भी विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, उप कुलसचिव इं. सुखराम मथुरिया, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी, श्री वी.पी. मारवाह, हिमांशु गुप्ता, अशोक सिह, अमित तिवारी पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से करते हुए डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर

मुख्य अतिथि लायन्स के डॉ0 आर.के.एस चौहान जी पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई लायन्स क्लब की सदस्य

सभागार में उपस्थित शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

विश्वविद्यालय और लायन्स क्लब
इलाहाबाद सेन्ट्रल
के बीच
परस्पर सहमति पत्र (एम.ओ.यू.)
पर हस्ताक्षर करती हुई लायन्स
क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता जी
एवं
विश्वविद्यालय के माननीय
कुलपति
प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह जी

सभागार में उपस्थित लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के सदस्यगण तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारीगण।

शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों का सम्मान

प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो० ओमजी गुप्ता को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० पी.पी. दुबे को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो० आर.पी.एस. यादव को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० आशुजोष गुप्ता को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० जी.एस. शुक्ल को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो० पी.के. पाण्डेय को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० सुधाशुं त्रिपाठी को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० विनोद कुमार गुप्ता को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं मानपत्र देकर सम्मानित करते हुए डॉ0 आर0के0एस0 चौहान एवं लायन्स क्लब के सदस्यगण।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं डॉ0 आर0के0एस0 चौहान जी के साथ ग्रुपफोटोग्राफी कराते हुए विश्वविद्यालय के सम्मानित शिक्षकगण तथा लायन्स क्लब के सदस्यगण।

विश्वविद्यालय
के
माननीय कुलपति
प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी
को
सम्मानित करते हुए
इलाहाबाद बैंक के
मैनेजर
श्री आशुतोष श्रीवास्तव

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री ए.के.सिंह जी एवं कुलसचिव डॉ० ए०के० गुप्ता जी को
सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

समाज विज्ञान विद्याशाखा के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

मानविकी विद्याशाखा एवं पृथ्वी विज्ञान विद्याशाखा के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

विज्ञान विद्याशाखा, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

शिक्षा विद्याशाखा के शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव

कार्यक्रम में अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण एवं लायन्स क्लब के सदस्य

सीमा गुप्ता

विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक वही है जो अपने विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार दे। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में अमिट छाप छोड़ जाता है।

मुख्य अतिथि लायन्स डॉ0 आर.के.एस चौहान ने कहा कि गांवो में अभी जागरूकता की जरूरत है। लायन्स क्लब अब विश्वविद्यालय के साथ मिलकर गांवो में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलायेगा।

डॉ0 आर.के.एस चौहान

प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण– प्रो.सिंह

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण करना है। लायन्स क्लब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के पदाधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सामाजिक सरोकार के लक्ष्य में आगे बढ़कर सहयोग कर रहे हैं। प्रो.सिंह ने कहा कि शिक्षा जब समाज के नियंत्रण में रहती है तो वह समाज में समृद्धि और सम्पन्नता लाती है लेकिन जब वह सत्ता पर निर्भर रहती है तो उसका पराभव होता है। उन्होंने कहा कि लायन्स क्लब के साथ एम.ओ.यू मील का पत्थर साबित होगा और हम अंगीकृत किए हुए गांव के विकास में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रो.सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य समाज के ऐसे तबके तक उच्च शिक्षा की किरण पहुँचाना है जो अभी तक इससे वंचित है।

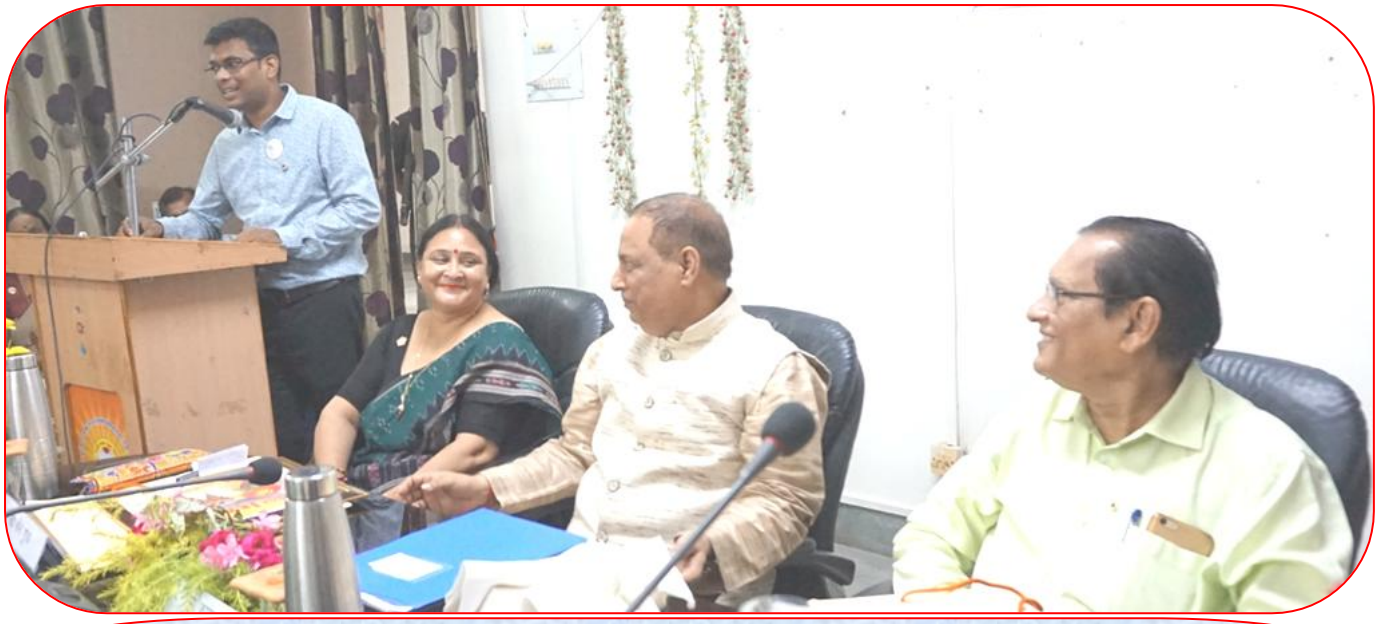

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए एवं सभी का आभर व्यक्त करते हुए लायन्स क्लब के सदस्य

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण गुप्ता

कार्यक्रम समाप्ति पर राष्ट्रगान के समय खड़े हुए अतिथिगण।

लायन्स क्लब के सदस्यों के साथ मा0 कुलपति जी एवं वित्त अधिकारी जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 सितम्बर, 2019

दिनांक 05 सितम्बर, 2019 को शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस मनाया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निराजंली सिन्हा एवं उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगणी।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं उपस्थित क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 159 प्रयागराज, शुक्रवार 6 सितम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

विचार : धीरे-धीरे सामान्य हो रहे घाटी के हालात ...

खेल : लोकेश की जगह रोहित शर्मा से कराया जाए ...

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण : प्रो.सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल तथा इलाहाबाद बैंक ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के बीच परस्पर सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये।

इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण करना है। लायन्स क्लब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के पदाधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सामाजिक सरोकार के लक्ष्य में आगे बढ़कर सहयोग कर रहे हैं। प्रो.सिंह ने कहा कि शिक्षा जब समाज के नियंत्रण में रहती है तो वह समाज में समृद्धि और सम्पन्नता लाती है लेकिन जब वह सत्ता पर निर्भर रहती है तो उसका पराभव होता है। उन्होंने कहा कि लायन्स क्लब के साथ एम.ओ.यू मील का पत्थर साबित होगा और हम अंगीकृत किए हुए गांव के विकास में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रो.सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य समाज के ऐसे तबके तक उच्च शिक्षा की किरण पहुँचाना है जो अभी तक इससे वंचित है।

मुख्य अतिथि लायन्स डॉ0 आर.के.एस चैहान ने कहा कि गांवो में अभी जागरूकता की जरूरत है। लायन्स क्लब अब विश्वविद्यालय के साथ मिलकर गांवो में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलायेगा। विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक वही है जो अपने विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार दे। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में अमिट छाप छोड़ जाता है।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण गुप्त एवं डॉ0 हिमांशु गुप्त ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब की तरफ से कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह, प्रो.ओम जी गुप्ता, प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो.आर.पी.एस.यादव, प्रो.पी.के पाण्डेय, प्रो जी.एस.शुक्ल .ओम जी गुप्ता ताथा डॉ.विनोद कुमार गुप्ता को लायन्स क्लब की तरफ से अंगवस्त्र तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया गया ।

शिक्षक दिवस समारोह में इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने भी विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, उपकुलसचिव सुखराम मथुरिया, परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी, श्री वी.पी.मारवाह, हिमांशु गुप्ता, अशोक सिह, अमित तिवारी पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 159 प्रयागराज, शुक्रवार 6 सितम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

विचार : धीरे-धीरे सामान्य हो रहे घाटी के हालात ...

खेल : लोकेश की जगह रोहित शर्मा से कराया जाए ...

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण : प्रो.सिंह

प्रयागराज। शिक्षा का अंतिम उद्देश्य राष्ट्र निर्माण करना है। शिक्षा जब समाज के नियंत्रण में रहती है तो वह समाज में समृद्धि और सम्पन्नता लाती है। उक्त बातें गुरूवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि शिक्षा जब वह सत्ता पर निर्भर रहती है तो उसका पराभव होता है। मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य समाज के ऐसे तबके तक उच्च शिक्षा की किरण पहुँचाना है जो अभी तक इससे वंचित है। लायन्स क्लब के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के पदाधिकारी विश्विद्यालय द्वारा निर्धारित सामाजिक सरोकार के लक्ष्य में आगे बढ़कर सहयोग कर रहें है। लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के साथ एम.ओ.यू. मील का पत्थर साबित होगा और हम अंगीकृत किए हुए गांव के विकास में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

मुख्य अतिथि लायन्स डॉ0 आर.के.एस चौहान ने कहा कि गांवो में अभी जागरूकता की जरूरत है। लायन्स क्लब अब विश्वविद्यालय के साथ मिलकर गांवो में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलायेगा। विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक वही है जो अपने विद्यार्थियों को अच्छे संस्कार दे। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में अमिट छाप छोड़ जाता है। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.अरूण गुप्त एवं डॉ.हिमांशु गुप्त ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब की तरफ से कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह, प्रो.ओम जी गुप्ता, प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो.आर.पी.एस.यादव, प्रो.पी.के पाण्डेय, प्रो जी.एस.शुक्ल, ओमजी गुप्ता ताथा डॉ.विनोद कुमार गुप्ता को लायन्स क्लब की तरफसे अंगवस्त्र तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया गया। इलाहाबाद बैंक के मैनेजर आशुतोष श्रीवास्तव ने शिक्षको का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी अजय कुमार सिंह, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, उपकुलसचिव सुखराम मथुरिया, परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी, वी.पी.मारवाह, हिमांशु गुप्ता, अशोक सिह, अमित तिवारी पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

THE SWORD OF INDIA

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण- प्रो.सिंह

September 5, 2019 • Reporter suryamani dubey allahabad

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर लायन्स
क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल तथा इलाहाबाद बैंक ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को
सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के
बीच परस्पर सहमति पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये।
इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने
कहा कि शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण करना है। लायन्स क्लब के
प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के पदाधिकारी विश्वविद्यालय द्वारा
निर्धारित सामाजिक सरोकार के लक्ष्य में आगे बढ़कर सहयोग कर रहे हैं। प्रो.सिंह
ने कहा कि शिक्षा जब समाज के नियंत्रण में रहती है तो वह समाज में समृद्धि और
सम्पन्नता लाती है लेकिन जब वह सत्ता पर निर्भर रहती है तो उसका पराभव होता
है। उन्हांेने कहा कि लायन्स क्लब के साथ एम.ओ.यू मील का पत्थर साबित होगा और
हम अंगीकृत किए हुए गांव के विकास में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

प्रो.सिंह ने
कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य समाज के ऐसे तबके तक उच्च शिक्षा की
किरण पहुँचाना है जो अभी तक इससे वंचित है।
मुख्य अतिथि लायन्स डॉ0 आर.के.एस चैहान ने कहा कि गांवो में अभी जागरूकता की
जरूरत है। लायन्स क्लब अब विश्वविद्यालय के साथ मिलकर गांवो में स्वास्थ्य
जागरूकता कार्यक्रम चलायेगा। विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा
गुप्ता ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक वही है जो अपने विद्यार्थियों को अच्छे
संस्कार दे। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में अमिट छाप छोड़ जाता है।
कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा
बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण गुप्त एवं डॉ0 हिमांशु
गुप्त ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब की तरफ से कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ
सिंह, प्रो.ओम जी गुप्ता, प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो.आर.पी.एस.यादव,
प्रो.पी.के पाण्डेय, प्रो जी.एस.शुक्ल .ओम जी गुप्ता ताथा डॉ.विनोद कुमार
गुप्ता को लायन्स क्लब की तरफ से अंग्रवस्त्र तथा मानपत्र देकर सम्मानित किया
गया ।
शिक्षक दिवस समारोह में इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने भी
विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरूण
कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल
कुमार सिंह भदौरिया, उपकुलसचिव सुखराम मथुरिया, परीक्षा नियंत्रक डा. गिरीश
कुमार द्विवेदी, श्री वी.पी.मारवाह, हिमांशु गुप्ता, अशोक सिह, अमित तिवारी
पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर बृहस्पतिवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लायंस क्लब इलाहाबाद सेंट्रल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

प्रयागराज, शुक्रवार
6 सितंबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

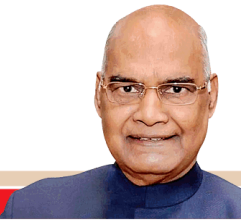

नियम पालन कराने के लिए बढ़ाया जुर्माना 13
नई पीढ़ी का निर्माण शिक्षकों की मौलिक जिम्मेदारी : राष्ट्रपति 17

तस्मै श्री गुरवे नम :

मैं अपने जीवन के लिए अपने पिता का ऋणी हूं, लेकिन अच्छा जीवन जीने के लिए अपने गुरु का ऋणी हूं।
– सिकंदर महान

'गुरु एक परंपरा है जो खत्म नहीं होती'

शिक्षा का अंतिम उद्देश्य राष्ट्र निर्माण : प्रो. केएन सिंह : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लायंस क्लब इलाहाबाद सेंट्रल तथा इलाहाबाद बैंक की ओर से शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और लायंस क्लब इलाहाबाद सेंट्रल के बीच परस्पर सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण करना है। मुख्य अतिथि लायंस डॉ. आरकेएस चौहान ने कहा क्लब विश्वविद्यालय के साथ गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाएगा। विशिष्ट अतिथि क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक वही है, जो विद्यार्थियों को संस्कार दे। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डॉ. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायंस सुधा बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण गुप्त एवं डॉ. हिमांशु गुप्त ने किया। समारोह में इलाहाबाद बैंक के मैनेजर आशुतोष श्रीवास्तव ने भी शिक्षकों का अभिनंदन किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 161 प्रयागराज, रविवार 8 सितम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

योग की परामर्श कक्षायें 16 सितम्बर से

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा के सत्र जनवरी 2019-20 के छात्र-छात्राओं की परामर्श कक्षायें 16 सितम्बर से विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर शान्तिपुरम में प्रारम्भ हो रही है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल तथा योग परामर्शदाता अमित कुमार सिंह ने बताया कि परामर्श कक्षाओं की प्रश्नपत्र वार विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योगाभ्यास सत्र प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक, दोपहर 12 बजे से 2 बजे तथा अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे तक चलेंगे।

पालीथिन मुक्त अभियान पर स्लोगन प्रतियोगिता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर महात्मा गांधी जयन्ती के अवसर पर पालीथीन मुक्त अभियान पर एक स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। स्लोगन प्रतियोगिता के संयोजक उप कुलसचिव सुखराम मथुरिया ने बताया कि सितम्बर के तृतीय सप्ताह में स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के अलावा 10 सांत्वना पुरस्कार दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी एवं सामान्य जनमानस प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रविष्टियां 17 सितम्बर तक उप कुलसचिव (परीक्षा) के कार्यालय में पहुंच जानी चाहिये। विस्तृत जानकारी के लिए उपकुलसचिव (परीक्षा) से सीयूजी नं0 7525048023 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 163 प्रयागराज, मंगलवार 10 सितम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

मुक्त विवि का दीक्षान्त समारोह 11 नवम्बर को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षान्त समारोह अब 11 नवम्बर को आयोजित किया जायेगा। इससे पूर्व दीक्षान्त समारोह की तिथि 12 नवम्बर सुनिश्चित की गयी थी। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने दीक्षान्त समारोह की परिवर्तित तिथि के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बारे में प्रदेश के सभी क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों को अवगत करा दिया गया है। दीक्षान्त समारोह की तैयारियां विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हो गयी है। विभिन्न समितियों का गठन कर समन्वयकों एवं संयोजकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गयी है। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2018 तथा जून 2019 के सापेक्ष उत्तीर्ण को उपाधि प्रदान की जायेगी। मीडिया समिति के समन्वयक प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने बताया कि शीघ्र ही वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्टेªशन का लिंक प्रारम्भ किया जायेगा।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां
11 सितम्बर, 2019

nh{kkUr lekjksg
fo'ks"k O;k[;kuekuk

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्‌घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता भारतीय वैदिक संस्कृति में – सुवचन राम

चतुर्दश दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला का प्रथम सोपान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 14वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व आयोजित व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम सोपान का व्याख्यान दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''सांस्कृतिक निरन्तरता एवं पीढ़ी अन्तराल'' विषय पर आयोजित किया गया। व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि श्री सुबचन राम, प्रधान आयकर आयुक्त प्रयागराज जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यानमाला का संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

व्याख्यानमाला का संचालन करते हुए डॉ0 विनोद कुमार गुप्त

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई विश्वविद्यालय की शिक्षिकायें

सभागार में उपस्थित स्रोतागण।

अतिथियों का स्वागत करते हुए व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ला

सभागार में उपस्थित श्रोतागण।

अपना व्याख्यान देते हुये मुख्य अतिथि श्री सुबचन राम जी

सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता भारतीय वैदिक संस्कृति में – सुबचन राम

व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि श्री सुबचन राम, प्रधान आयकर आयुक्त प्रयागराज ने इस अवसर पर **"सांस्कृतिक निरन्तरता एवं पीढ़ी अन्तराल"** पर व्याख्यान देते हुये कहा कि भारतीय वैदिक संस्कृति में सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता देखी जा सकती है। सांस्कृतिक निरन्तरता पीढियों के स्वरूप का संधान करती है। संस्कार से व्यक्तित्व का विकास होता है। सांस्कृतिक निरन्तरता सामुदायिक जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत में सांस्कृतिक एवं सामुदायिक भावना यहां के खानपान, वेशभूषा एवं भाषा में साफ दिखाई पड़ती है। उन्होने कहा कि पीढी अन्तराल के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। विश्व के अन्य देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत में सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक परिपक्वता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। समय के साथ आधुनिकीकरण होता रहता है लेकिन मूल तत्व बना रहता है। सांस्कृतिक सातत्य वैश्विक है। उन्होंने कहा कि जो संस्कृतियां अपने तत्वों को आगे बढाने में सक्षम नहीं हुई वह इतिहास में विलीन हो गयी।

व्याख्यानमाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

व्याख्यान माला की अध्यक्षता करते हुये माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूतल का कोई भी तत्व स्थिर नहीं है। निरन्तर बदलाव होता रहता है। भारत दुनिया का विलक्षण देश है। यह विलक्षणता सांस्कृतिक एवं मौलिक तत्वों में दृष्टिगोचर होती रहती है कही न कहीं एकसूत्रता है वही सातत्य को बांधे रहती है। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है ऐसी स्थिति में हमारा दायित्व बढ जाता है।

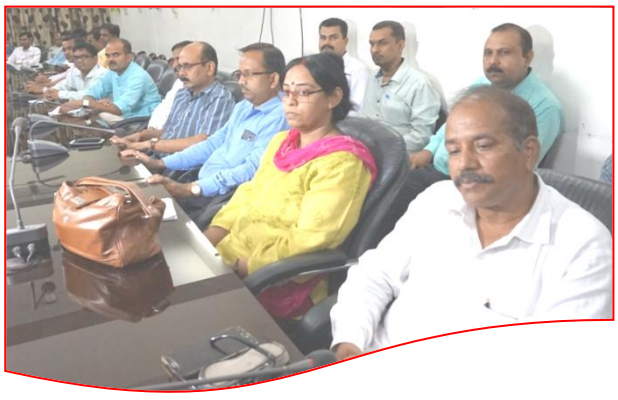

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त

इलाहाबाद, गुरुवार
12 सितंबर 2019
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

नौकरियों के मामले में बेहतर रहा बीता साल 13

भारत की दीवार बने गुरप्रीत सिंह संधू 14

भारतीय संस्कृति में है सांस्कृतिक निरंतरता की सुंदरता : सुवचन

आयोजन

- आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है : कुलपति
- 14वें दीक्षा समारोह व्याख्यानमाला का प्रथम सोपान आयोजित

जासं, प्रयागराज : राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षा समारोह के पूर्व बुधवार को व्याख्यानमाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि प्रधान आयकर आयुक्त सुवचन राम ने 'सांस्कृतिक निरंतरता एवं पीढ़ी अंतराल' पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय वैदिक संस्कृति में सांस्कृतिक निरंतरता की सुंदरता देखी जा सकती है। संस्कार से व्यक्तित्व का विकास होता है। भारत में सांस्कृतिक एवं सामुदायिक भावना यहां के खानपान, वेशभूषा एवं भाषा में साफ दिखाई पड़ती है। पीढ़ी अंतराल के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। अन्य देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत में सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक परिपक्वता स्पष्ट देखी जा सकती है।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 165 प्रयागराज, बुधवार 12 सितम्बर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

विचार : भारत सरकार के शानदार सौ दिन ...

अमेठी : सावधान! ट्रैफिक जाम दे रहा है एड़ी और कमर का दर्द

खेल : चाहता हूँ वेस्ट इंडीज और ऑस्ट्रेलिया जैसा हो भारत ...

सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता भारतीय वैदिक संस्कृति में : प्रधान आयकर आयुक्त

प्रयागराज। भारतीय वैदिक संस्कृति में सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता देखी जा सकती है। सांस्कृतिक निरन्तरता पीढ़ियों के स्वरूप का संधान करती है, संस्कार से व्यक्तित्व का विकास सांस्कृतिक एवं सामुदायिक भावना यहां के खानपान, वेशभूषा एवं भाषा में साफ दिखाई पड़ती है। पीढ़ी अन्तराल के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। विश्व के अन्य देशों कि भूतल का कोई भी तत्व स्थिर नहीं है। निरन्तर बदलाव होता रहता है। भारत दुनिया का विलक्षण देश है। यह विलक्षणता सांस्कृतिक एवं मौलिक तत्वों में दृष्टिगोचर होती रहती है कहीं न

होता है। सांस्कृतिक निरन्तरता सामुदायिक जीवन से जुड़ी है।

यह बातें प्रधान आयकर आयुक्त, प्रयागराज सुवचन राम ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 14वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व आयोजित व्याख्यानमाला की श्रृंखला में बुधवार को 'सांस्कृतिक निरन्तरता एवं पीढ़ी अन्तराल' पर व्याख्यान देते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत में के परिप्रेक्ष्य में भारत में सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक परिपक्वता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। समय के साथ आधुनिकीकरण होता रहता है लेकिन मूल तत्व बना रहता है। उन्होंने कहा कि जो संस्कृतियां अपने तत्वों को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हुई वह इतिहास में विलीन हो गयी।

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कहीं एकसूत्रता है वही सातत्य को बांधे रहती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है ऐसी स्थिति में हमारा दायित्व बढ़ जाता है। व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.अरूण कुमार गुप्त ने किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

UNITED ESTABLISHED 1951

संस्थापक
स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी

युनाइटेड भारत

प्रयागराज, बृहस्पतिवार 12 सितम्बर 2019- मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8

RNI UP HIN/2001/2541 AD/227/09-15-17

सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता भारतीय वैदिक संस्कृति में: प्रधान आयकर आयुक्त

प्रयागराज, ११ सितम्बर । भारतीय वैदिक संस्कृति में सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता देखी जा सकती है। सांस्कृतिक निरन्तरता पीढ़ियों के स्वरूप का संधान करती है, संस्कार से व्यक्तित्व का विकास होता है। सांस्कृतिक निरन्तरता सामुदायिक जीवन से जुड़ी है।

यह बातें प्रधान आयकर आयुक्त, प्रयागराज सुवचन राम ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के १४वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व आयोजित व्याख्यानमाला की श्रृंखला में बुधवार को 'सांस्कृतिक निरन्तरता एवं पीढ़ी अन्तराल' पर व्याख्यान देते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत में सांस्कृतिक एवं सामुदायिक भावना यहां के खानपान, वेशभूषा एंवं भाषा में साफ दिखाई पड़ती है। पीढ़ी अन्तराल के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। विश्व के अन्य देशों के परिपेरक्ष्य में भारत में सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक परिपक्वता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। समय के साथ आधुनिकीकरण होता रहता है लेकिन मूल तत्व बना रहता है। उन्होंने कहा कि जो

संबोधित करते प्रधान आयकर आयुक्त

संस्कृतियां अपने तत्वों को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हुई वह इतिहास में विलीन हो गयी। अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूतल का कोई भी तत्व स्थिर नहीं है। निरन्तर बदलाव होता रहता है।

भारत दुनिया का विलक्षण देश है। यह विलक्षणता सांस्कृतिक एवं मौलिक तत्वों में दृष्टिगोचर होती रहती है कहीं न कहीं एकसूत्रता है वही सातत्य को बांधे रहती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है ऐसी स्थिति में हमारा दायित्व बढ़ जाता है। व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ.अरूण कुमार गुप्त ने किया।

भारतीय वैदिक संस्कृति में है सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता: सुवचन राम

● यूपीआरटीओयू के चौदहवां दीक्षान्त समारोह व्याख्यान माला का प्रथम सोपान

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

व्याख्यानमाला में बोलते प्रधान आयकर आयुक्त सुवचन राम। पायनियर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के 14 वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व आयोजित व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम सोपान का व्याख्यान सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में हुआ।

व्याख्यान माला के मुख्य अतिथि सुवचन राम प्रधान आयकर आयुक्त प्रयागराज ने 'सांस्कृतिक निरन्तरता एवं पीढ़ी अन्तराल' पर व्याख्यान देते हुये कहा कि भारतीय वैदिक संस्कृति में सांस्कृतिक निरन्तरता की सुन्दरता देखी जा सकती है। सांस्कृतिक निरन्तरता पीढ़ियों के स्वरूप का संधान करती है। संस्कार से व्यक्तित्व का विकास होता है। सांस्कृतिक निरन्तरता सामुदायिक जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत में सांस्कृतिक एवं सामुदायिक भावना यहां के खानपान, वेशभूषा एवं भाषा में साफदिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि पीढ़ी अन्तराल के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं। विश्व के अन्य देशों के परिप्रेक्ष्य में भारत में सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक परिपक्वता स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

समय के साथ आधुनिकीकरण होता रहता है, लेकिन मूलतत्व बना रहता है। सांस्कृतिक सातत्य वैश्विक है। उन्होंने कहा कि जो संस्कृतियां अपने तत्वों को आगे बढाने में सक्षम नहीं हुई, वह इतिहास में विलीन हो गयी। व्याख्यान माला की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि भूतल का कोई भी तत्व स्थिर नहीं है। निरन्तर बदलाव होता रहता है। भारत दुनिया का विलक्षण देश है। यह विलक्षणता सांस्कृतिक एवं मौलिक तत्वों में दृष्टिगोचर होती रहती है। कहीं न कहीं एकसूत्रता है वहीं सातत्य को बांधे रहती हैं।

प्रो. सिंह ने कहा कि आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति को मानने लगा है ऐसी स्थिति में हमारा दायित्व बढ़ जाता है। व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। व्याख्यानमाला का संचालन डा. विनोद कुमार गुप्त एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शुक्रवार, 13 सितंबर 2019

हिन्दुस्तान 22

राजर्षि टंडन विवि में प्रवेश 30 तक

लखनऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में सत्र जुलाई 2019-20 में प्रवेश की अन्तिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब यहां 30 सितम्बर तक प्रवेश लिए जाएंगे। क्षेत्रीय समन्वयक नीरांजली सिन्हा ने बताया इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा व प्रमाण-पत्र में प्रवेश लिया जा सकता है ।

मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रवेश तिथि बढ़ाई

प्रयागराज। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र 2019-20 में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर निर्धारित की गयी है। प्रवेश प्रभारी डॉ. आरपीएस यादव ने बताया कि जो शिक्षार्थी किसी कारणवश अभी तक प्रवेश नहीं ले सके हैं वे प्रत्येक दशा में 30 सितम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर लें। इसके लिये विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर ऑनलाइन एडमीशन का पैनल खुला हुआ है। डॉ. यादव ने बताया कि दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 30 सितम्बर के पश्चात किसी भी दशा में प्रवेश सम्भव नहीं होगा।

NBT नवभारत टाइम्स

शुक्रवार, 13 सितंबर 2019 लखनऊ 8

राजर्षि टंडन विवि में दाखिले 30 तक

■ **एनबीटी, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने शैक्षिक सत्र जुलाई 2019-20 के लिए दाखिले की तारीख 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा में प्रवेश ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uprtou.ac.in पर आनलाइन ऐडमिशन लिंक पर जाकर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा।

यूपीआरटीओयू में आवेदन 30 तक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) में सत्र जुलाई 2019-20 में प्रवेश के लिए आवेदन की आखिरी तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजली सिन्हा ने बताया कि यूजी, पीजी, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र व जागरूकता कार्यक्रमों में आवेदन किया जा सकता है। प्रवेश रजिस्ट्रेशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कराया जा सकता है।

प्रयागराज, शनिवार, 14 सितम्बर 2019 3

मुविवि में गंगा नदी के इको सिस्टम पर व्याख्यान 16 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 14वें दीक्षान्त समारोह के पूर्व दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला के अंतर्गत विश्वविद्यालय में 16 सितम्बर को अपरान्ह तीन बजे 'गंगा नदी एवं इसका पारिस्थितिकी तंत्र' पर द्वितीय व्याख्यान का आयोजन किया गया है।

कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने यह जानकारी देते हुये बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता कर्नल अमित पाण्डेय, एन.एम. कमाण्डिंग आफिसर 137 सी.आई.टी.एफबी.एल (टी.ए 39 जी.आर) होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
प्रयागराज
हिन्दुस्तान 06

मुविवि में व्याख्यान 16 को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को 'गंगा नदी एवं इसका पारिस्थितिकी तंत्र' पर व्यख्यान होगा। विवि के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 3 बजे से होगा। कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने बताया कि व्याख्यान के मुख्य वक्ता कर्नल अमित पांडेय होंगे।

राष्ट्रीय सहारा
अपना शहर
अयोध्या

संक्षिप्त खबरें

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में प्रवेश तिथि 30 तक

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के सत्र जुलाई 2019-20 की प्रवेश की अंतिम तिथि कुलपति के निर्देश पर बढ़ाकर 30 सितम्बर तक कर दी गयी है। छात्र विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोर्स यूजी, पीजी, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट में प्रवेश ले सकते हैं। विश्वविद्यालय ने वर्तमान सत्र से जीएसटी में पीजी डिप्लोमा, एमए गृहविज्ञान, भूगोल, योग एवं एमएससी फूड एंड न्यूट्रीशन में भी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ किया है। प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आनलाइन प्रवेश ले सकते हैं। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या बीएनएस गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा बाईपास से संपर्क कर सकते हैं।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

16 सितम्बर, 2019

fgUnh fnol

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

मंचासीन माननीय अतिथिगण।

दिनांक 16 सितम्बर, 2019 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रो0 आर0के0 सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय , प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 के0एस0 मिश्रा जी ने की। कार्यक्रम में प्रो0 रामेन्द्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक एवं प्रो0 चंदा देवी, विभागाध्यक्ष हिन्दी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का आरंभ कुलगीत से हुआ इसके बाद सभी अथितियों का स्वागत किया गया तदोपरांत प्रो. संतोष भदौरिया (संयोजक- राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने स्वागत वक्तव्य एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को रखा एवं केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कमर्चारी को अपना कार्यालयीन कार्य हिंदी में करना चाहिए और इसका आरंभ आज से ही हिंदी में हस्ताक्षर करके करना चाहिए।

तदोपरांत विश्वविद्यालय के हिंदी अनुवादक श्री हरिओम कुमार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री रमेश पोखरियाल निशंक जी का हिंदी दिवस के अवसर पर भेजे गए संदेश को पढा। यह भी अवगत कराना है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दिनांक 16 सितंबर से 30 सितंबर तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ छात्र/छात्राओं को भी शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत सुलेख प्रतियोगिता, प्रश्न मंच, निबंध लेखन, कार्यलयीन पत्र लेखन, प्रेरक प्रसंग, गीत/ काव्य पाठ विभिन्न तिथियों पर आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर प्रो. अनिता गोपेश, प्रो. हर्ष कुमार, प्रो. एन के शुक्ल, डॉ. सुरभि त्रिपाठी, श्री ए. के. कनौजिया, श्री केशव किशोर उपाध्याय, श्री अमित तिवारी, श्री अनिल कुमार सिंह,श्री संजय तिवारी, श्री प्रभात मिश्र, श्री ओ. पी गुप्ता आदि के साथ सैकडों की संख्या छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी अनुवादक श्री हरिओम कुमार ने एवं संचालन श्री देवेश कुमार गोस्वामी (सहायक कुलसचिव) ने किया।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 सन्तोष भदौरिया जी।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 सन्तोष भदौरिया जी एवं विश्वविद्यालय के सदस्यगण।

प्रो. संतोष भदौरिया (संयोजक- राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कमर्चारी को अपना कार्यालयीन कार्य हिंदी में करना चाहिए और इसका आरंभ आज से ही हिंदी में हस्ताक्षर करके करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रो. आर के सिंह जी ने कहा कि हिंदी भाषा की तुलना किसी भाषा से नहीं की जा सकती है । हिंदी अपने आप में विशाल हैं। अन्य भाषाओं के शब्दों को अपने में समाहित करने की भाषा है।

हमें हिन्दी में कामकाज करने का संकल्प लेना चाहिए : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि हिन्दी जनमानस की भाषा है। हम अपने निजी जीवन में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते है। फिर ऐसा क्या हो जाता है कि कार्यालय का कार्य अंग्रेजी में करने लगते हैं। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज हमें हिन्दी में कामकाज करने का संकल्प लेना चाहिए, ये संकल्प का दिन है।

दैनिक जागरण

ह्यूस्टन में मोदी के साथ मंच साझा करेंगे ट्रंप 11 | सऊदी तेल भंडारों पर हमले से कच्चा तेल आसमान पर 13

युवा जागरण 06 | 30

दैनिक जागरण 6 प्रयागराज, 17 सितंबर 2019 www.jagran.com

हिंदी में काम करने का दिलाया संकल्प

जासं, प्रयागराज : इलाहाबाद विश्वविद्यालय में सोमवार को हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि हिंदी जनमानस की भाषा है। हम निजी जीवन में मातृभाषा का प्रयोग करते हैं, लेकिन कार्यालय के कार्य अंग्रेजी में करने लगते हैं। उन्होंने इस दौरान हिंदी में कामकाज करने का संकल्प दिलाया।

विशिष्ट अतिथि प्रो. आरके सिंह ने कहाकि हिंदी भाषा की तुलना किसी भाषा से नहीं की जा सकती है। हिंदी अन्य भाषाओं के शब्दों को अपने में समाहित करने की भाषा है। प्रो. रामेंद्र कुमार सिंह ने जापान की भाषा का उदाहरण देते हुए हिंदी के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अपनी बात रखी। उन्होंने स्वर और व्यंजनों का उदाहरण देते हुए अंग्रेजी भाषा से तुलनात्मक अध्ययन को साझा किया। इविवि के हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. चंदा देवी ने कहाकि हिंदी ही वह भाषा है, जिसके बिना आप ऊंचाइयों पर नहीं पहुंच सकते हैं। अध्यक्षता कर रहे प्रो. केएस मिश्र ने हिंदी में सरलीकरण की बात कही।

भाषा से जुड़ी होती है संस्कृति : प्रो. संगीता

जासं, प्रयागराज : भाषा केवल व्यवहार की शब्दावली नहीं होती। भाषा के साथ पूरी संस्कृति जुड़ी होती है। ये बातें हिंदी पखवाड़े के तहत सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विवि की कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव ने कहीं। इस मौके पर संगीतकार डॉ. आयना बोस ने हिंदी गीत से लोगों का मन मोह लिया। मुख्य वक्ता इविवि के हिंदी विभाग के प्रोफेसर शिव प्रसाद शुक्ल ने कहाकि हमारे देश में सत्ता प्राप्ति के लिए धर्म और भाषा बदलते रहते हैं। उन्होंने कहा भाषा वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में केवल 16 भाषाएं रह जाएंगी।

अमर उजाला

प्रयागराज मंगलवार, 17 सितंबर 2019

amarujala.com | अगला लक्ष्य | विश्व चैंपियन सिंधु की निगाह चाइना ओपन पर ...15 | उत्तर प्रदेश

अमर उजाला | प्रयागराज | amarujala.com | प्रयागराज | मंगलवार, 17 सितंबर 2019

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस समारोह,

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। इविवि में सोमवार को हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन के कुलपति प्रो. केए सिंह ने कहा कि हिंदी जनमानस की भाषा है। हम अपने निजी जीवन में अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते हैं। फिर ऐसा क्या हो जाता है कि कार्यालय का कामकाज अंग्रेजी में करने लगते हैं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. आरकेपी सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा की तुलना किसी भाषा से नहीं की जा सकती है।

इविवि के आयोजित कार्यक्रम में विशिष्टजनों का अभिनंदन किया गया।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. रामेंद्र सिंह, हिंदी की विभागाध्यक्ष प्रो. चंदा देवी ने व राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक प्रो. संतोष भदौरिया ने ने अपने विचार रखे। समारोह में प्रो. अनिता गोपेश, प्रो. हर्ष कुमार, प्रो. एनके शुक्ला, डॉ. सुरभि त्रिपाठी, एके कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

एशेज की जंग 47 साल बाद बराबरी पर छूटी पेज 14 | पेट्रोल का भाव 80 रुपये के पार जाने की आशंका पेज 15

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

हर्षवर्धन को उम्मीद

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने कहा है कि भारत 2022 तक 175 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

मंगलवार, 17 सितंबर 2019, प्रयागराज, यूपी प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com

युवा | आज का दिन 1915 में भारत के लोकप्रिय चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन का जन्म हुआ। | हिन्दुस्तान 04

इविवि-पीआरएसयू में हिन्दी पखवाड़ा शुरू

प्रयागराज | मुख्य संवाददाता

इविवि और पीआरएसयू में सोमवार को हिन्दी पखवाड़ा शुरू हुआ। इविवि में मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि हिन्दी जनमानस की भाषा है, हिन्दी दिवस समारोह हिन्दी में कामकाज करने का संकल्प है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. आरके सिंह ने कहा कि हिन्दी की तुलना किसी भाषा से नहीं की जा सकती है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. रामेंद्र सिंह ने हिन्दी के वैश्विक परिपेक्ष्य में अपनी बात कही। विभागाध्यक्ष प्रो. चंदा देवी ने कहा कि हिन्दी भाषा के बिना कोई ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकता है। अध्यक्षता कार्यवाहक कुलपति प्रो. केएस मिश्र ने की। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक प्रो. संतोष भदौरिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। हरिओम कुमार ने एचआरडी मंत्री द्वारा हिन्दी दिवस पर दिया गया संदेश पढ़कर सुनाया।

पीआरएसयू में कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने पखवाड़े का शुभारंभ किया। संगीतकार डॉ. आयन बोस ने हिन्दी गीत प्रस्तुत किए। इविवि हिन्दी विभाग के प्रो. शिव प्रसाद शुक्ल ने विचार रखे। डॉ. क्षमा शंकर पांडेय, प्रो. राम किशोर शर्मा ने भी विचार रखे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 सितम्बर, 2019

ia0 nhu n;ky mik&;k; t;Urh lekjksg

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

चिरस्मरणीय हैं पं0 दीन दयाल उपाध्याय–प्रो0 कामेश्वर

मुविवि में दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 25 सितम्बर, 2019 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग उ.प्र. के पूर्व अध्यक्ष, प्रो0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामजी गिरि ने मुख्य अतिथि प्रो0 पाण्डेय एवं कुलपति प्रो0 सिंह को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 स्मिता

कार्यक्रम की अध्यक्ष विश्वविद्यालय के
मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी
को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत
करती हुई
डॉ0 दीपा चौबे।

कार्यक्रम
के मुख्य अतिथि
कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति
तथा लोक सेवा आयोग उ.प्र.
के पूर्व अध्यक्ष,
प्रो0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर
उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय
के
मा0 कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशकगण।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम समन्वयक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल जी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय

पं0 दीन दयाल हमारी सनातन संस्कृति के पोषक थे– प्रो0 पाण्डेय

समारोह के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग उ0प्र0 के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय सदैव गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। वे सादगी एवं मितव्ययिता के मिसाल थे। राजनेता होकर वे अपनी बातें अपने आचरण से बताना चाहते थे। पं0 दीन दयाल हमारी सनातन संस्कृति के पोषक थे। वे संस्कृति एवं सभ्यता के संवाहक थे। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नारे 'सबका साथ सबका विकास' में एकात्म मानव दर्शन का मंत्र निहित है। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि इसके लिये सबसे आगे वाले को दो कदम पीछे हटना पड़ेगा तभी सबसे पीछे वाला आगे बढ़ पायेगा।

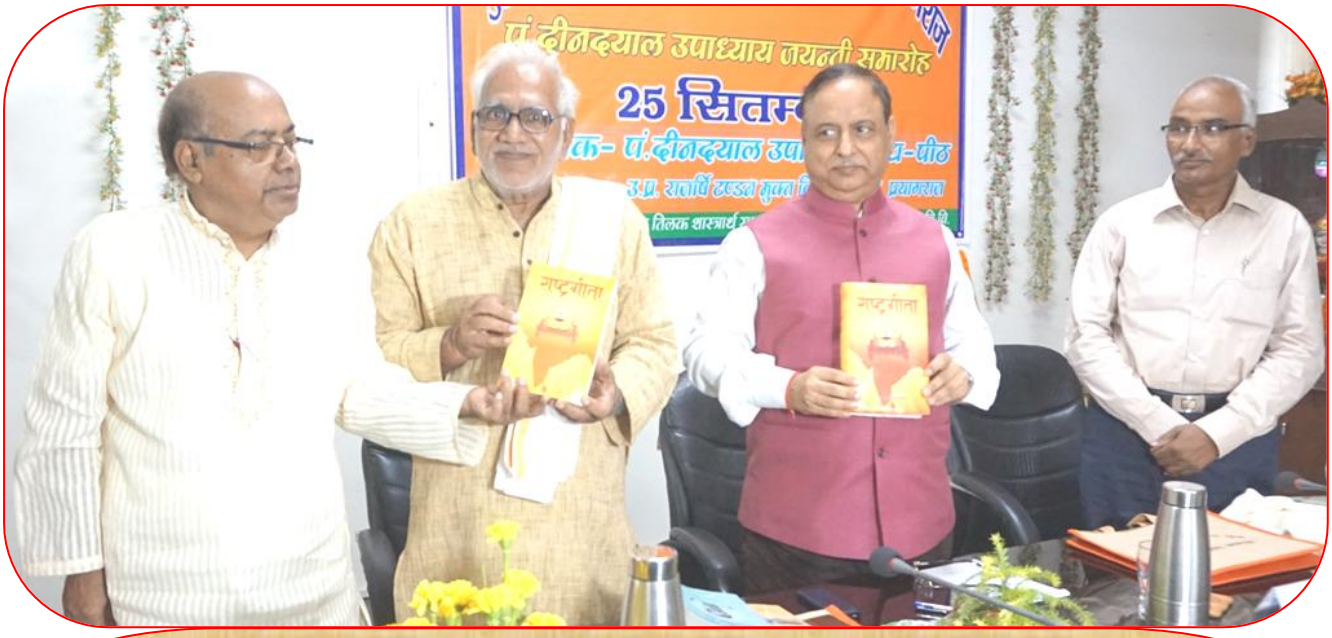

मुख्य अतिथि प्रो० कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी एवं कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट करते हुए डॉ० रामजी गिरि जी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मा0कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

चिरस्मरणीय हैं पं0 दीन दयाल उपाध्याय–प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उनका जीवन दर्शन हमें पाथेय दे रहा है। उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। उनका मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम है सत्ता पाने का नहीं। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों का संतुलित विकास ही आदर्श व्यक्ति का निर्माण करता है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शरीर को आहार, मन को विचार, बुद्धि को निखार तथा आभा का परिष्कार ही एकात्ममानव वाद का दर्शन है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष 12 वर्ष 8 अंक 161 पृष्ठ 16, मूल्य: 3.00
प्रयागराज, गुरुवार, 26 सितम्बर, 2019
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित
नगर संस्करण
www.jansandeshtimes.net

पांच साल में 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना संभव : मोदी - 15

टेस्ट एकादश के लिये दावेदारी पेश करेंगे रोहित और उमेश -13

प्रयागराज मिरर

मुविवि में दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

चिरस्मरणीय हैं पं० दीन दयाल उपाध्याय : प्रो० कामेश्वर

जनसंदेश न्यूज

समारोह की अध्यक्षता करते कुलपति

प्रयागराज। उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में पं० दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं० दीन दयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उनका जीवन दर्शन हमें पाथेय दे रहा है। उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। उनका मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम है सत्ता पाने का नहीं। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों का संतुलित विकास ही आदर्श व्यक्ति का निर्माण करता है। प्रो० सिंह ने कहा कि शरीर को आहार, मन को विचार, बुद्धि को निखार तथा आभा का परिष्कार ही एकात्ममानव वाद का दर्शन है। समारोह के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग उ०प्र० के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा कि पं० दीन दयाल उपाध्याय सदैव गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। वे सादगी एवं मितव्ययिता के मिसाल थे। राजनेता होकर वे अपनी बातें अपने आचरण से बताना चाहते थे। पं० दीन दयाल हमारी सनातन संस्कृति के पोषक थे। वे संस्कृति एवं सभ्यता के संवाहक थे। अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ० विनोद कुमार गुप्त ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो० सुधान्शु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो० आर०पी०एस० यादव, डॉ० मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो० नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामजी गिरि ने मुख्य अतिथि प्रो० पाण्डेय एवं कुलपति प्रो० सिंह को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट की।

भूकंप से मरने वालों की संख्या 30 हुई पेज 14
ऊषा आईएएएफ वेटरन पिन से सम्मानित पेज 16

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सिंधु बाहर
महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। पेज 16

गुरुवार, 26 सितंबर 2019, प्रयागराज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण
www.livehindustan.com
वर्ष 10, अंक 226, 18 पेज, मूल्य ₹5.00, आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम सम्वत् 2076

आज का दिन 1923 में फिल्म अभिनेता और निमार्ता एवं देव आनंद का जन्म।

‘पंडित जी ने दिया समता, समरसता का संदेश’

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पं. दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान की ओर से जयंती समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पांडेय ने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय हमेशा गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, डॉ. विनोद कुमार गुप्त, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रो. आरपीएस यादव, डॉ. मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि रहे। राज्य विवि में आयोजित व्याख्यान में डॉ. विवेक निगम ने कहा कि छीन कर खाना विकृति और बांटकर खाना हमारी संस्कृति है। अध्यक्षता कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव ने की। उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव, डॉ. अलका प्रकाश समेत अन्य ने विचार व्यक्त किए।

RNI No.-UPHIN/2012/44803 हिन्दी दैनिक Email : harbaatftp @gmail.com

हर बात

यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ व हरियाणा में प्रसारित

वर्ष : 08 अंक : 247 फतेहपुर, गुरूवार, 26 सितम्बर 2019 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

मुविवि में दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

हर बात संवाददाता

प्रयागराज।30प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उनका जीवन दर्शन हमें पाथेय दे रहा है। उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। उनका मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम है सत्ता पाने का नहीं। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों का संतुलित विकास ही आदर्श व्यक्ति का निर्माण करता है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शरीर को आहार, मन को विचार, बुद्धि को निखार तथा आभा का परिष्कार ही एकात्ममानव वाद का दर्शन है।

समारोह के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग 30प्र0 के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय सदैव गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। वे सादगी एवं मितव्ययिता के मिसाल थे। राजनेता होकर वे अपनी बातें अपने आचरण से बताना चाहते थे। पं0 दीन दयाल हमारी सनातन संस्कृति के पोषक थे। वे संस्कृति एवं सभ्यता के संवाहक थे। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे 'सबका साथ सबका विकास' में एकात्म मानव दर्शन का मंत्र निहित है। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि इसके लिये सबसे आगे वाले को दो कदम पीछे हटना पड़ेगा तभी सबसे पीछे वाला आगे बढ़ पायेगा।अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामजी गिरि ने मुख्य अतिथि प्रो0 पाण्डेय एवं कुलपति प्रो0 सिंह को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट की।

राजर्षि टंडन में आवेदन 30 तक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) में सत्र जुलाई 2019-20 में प्रवेश के लिए आवेदन की आखिरी तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक डॉ. निरांजली सिन्हा ने बताया कि यूजी, पीजी, डिप्लोमा, प्रमाण पत्र व जागरूकता कार्यक्रमों में आवेदन किया जा सकता है। प्रवेश रजिस्ट्रेशन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर कराया जा सकता है।

अमर उजाला
अमर उजाला प्रयागराज युवा Youth

चिरस्मरणीय हैं पं. दीन दयाल उपाध्याय : प्रो. कामेश्वर

मुविवि में जयंती समारोह

प्रयागराज। दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विवि में उन्हें याद किया गया। मुक्त विवि में दीन दयाल पाध्याय शोध संस्थान की ओर से आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि उनका जीवन दर्शन हमें पाथेय दे रहा है।

उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केबी पांडेय ने कहा कि दीन दयाल हमेशा गरीबो के हितों के लिए चिंतनशील रहे। इस मौके पर प्रो. जीएस शुक्ल, डॉ. विनोद कुमार गुप्त, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विवि में दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित समारोह में कुलपति प्रो.संगीता श्रीवास्तव ने उनके जीवन दर्शन को आगे बढ़ाने की बात कही। मुख्य वक्ता डॉ. विवेक निगम ने कहा उन्होंने बांटकर खाने की सीख दी।

दैनिक जागरण
2 दैनिक जागरण प्रयागराज जागरण www.jagran.com

गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे दीनदयाल

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में बुधवार को पं. दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पांडेय ने कहा कि पं. दीन दयाल उपाध्याय सदैव गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। वे सादगी एवं मितव्ययिता के मिसाल थे। राजनेता होकर वे अपनी बातें अपने आचरण से बताना चाहते थे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उनका मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम है, सत्ता पाने का नहीं। अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल और संचालन आयोजन सचिव डॉ. विनोद कुमार गुप्त व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो. आरपीएस यादव, डॉ. मानेंद्र प्रताप सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि उपस्थित रहे।

अमृत कलश टाइम्स हिन्दी दैनिक | कौशाम्बी-प्रतापगढ़-चित्रकूट | प्रयागराज, शनिवार 28 सितम्बर 2019 | 3

चिरस्मरणीय हैं पं० दीन दयाल उपाध्याय-प्रो० कामेश्वर

मुविवि में दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

प्रयागराज। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पं० दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में पं० दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि पं० दीन दयाल उपाध्याय चिरस्मरणीय हैं। उनका जीवन दर्शन हमें पाथेय दे रहा है। उन्होंने समता, ममता और समरसता का संदेश दिया। उनका मानना था कि राजनीति सेवा का माध्यम है सत्ता पाने का नहीं। शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों का संतुलित विकास ही आदर्श व्यक्ति का निर्माण करता है। प्रो० सिंह ने कहा कि शरीर को आहार, मन को विचार, बुद्धि को निखार तथा आत्मा का परिष्कार ही एकात्ममानव वाद का दर्शन है। समारोह के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग उ0प्र0 के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने कहा कि पं० दीन दयाल उपाध्याय सदैव गरीबों के हितों के प्रति चिंतनशील रहते थे। वे सादगी एवं मितव्ययिता के मिसाल थे। राजनेता होकर वे अपनी बातें अपने आचरण से बताना चाहते थे। पं० दीन दयाल हमारी सनातन संस्कृति के पोषक थे। वे संस्कृति एवं सभ्यता के संवाहक थे। प्रो० पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नारे 'सबका साथ सबका विकास' में एकात्म मानव दर्शन का मंत्र निहित है। प्रो० पाण्डेय ने कहा कि इसके लिये सबसे आगे वाले को दो कदम पीछे हटना पड़ेगा तभी सबसे पीछे वाला आगे बढ़ पायेगा। अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ० विनोद कुमार गुप्त ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो० सुधान्शु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो० आर०पी०एस० यादव, डॉ० मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो० नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामजी गिरि ने मुख्य अतिथि प्रो० पाण्डेय एवं कुलपति प्रो० सिंह को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट की।

राष्ट्रीय संस्करण

ओपनिंग के लिए विनती करनी पड़ी थी : तेंदुलकर

>> 14

वर्ष 3 अंक 109

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शुक्रवार, 27 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

9.6 प्रतिशत है पर्यटन क्षेत्र का योगदान भारत के संपूर्ण सकल घरेलू उत्पादन में। इस दृष्टि से विश्व में भारत का सातवां स्थान है।

विश्व पर्यटन दिवस

भारत में पर्यटन की विविधता

भारत का भौगोलिक क्षेत्र इतना विशाल है और यहां इतनी विविधताएं हैं कि यहां पर्यटन के लिहाज से भरपूर संभावनाएं हैं जिनका अब तक पर्याप्त रूप से विकास नहीं किया गया है

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह
कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम यानी विश्व आर्थिक मंच का यह अनुमान है कि आगामी वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास की दर सामान्य रहेगी, परंतु भारत की अर्थव्यवस्था सशक्त, समर्थ एवं विकासोन्मुख होगी। भारत सरकार के संदर्भों के अनुसार वर्ष 2024 तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच खरब डॉलर एवं 2030 तक 10 खरब डॉलर की होगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था की सामान्य वृद्धि दर होते हुए भी, अर्थतंत्र का पर्यटन क्षेत्र रोजगार सृजन एवं आय वृद्धि की दृष्टि से तीव्र गति से बढ़ेगा। जो देश इससे जुड़े कारोबार की संभावनाओं को व्यावहारिक आयाम देगा, उसकी अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन उद्योग महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

भारत के पास वैश्विक पर्यटन एवं घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अद्भुत प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक संसाधन उपलब्ध हैं, जो पर्यटन उद्योग के लिए प्रकृति का उपहार हैं। आज 27 सितंबर को जब संपूर्ण विश्व में पर्यटन दिवस मनाया जा रहा है सौभाग्य का विषय है कि 'वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन काउंसिल' की वार्षिक बैठक भारत में हो रही है। भारत के लिए यह अवसर पर्यटन की संभावनाओं, समस्याओं और व्यावहारिक आयामों पर चिंतन व क्रियान्वयन की दृष्टि से समसामयिक महत्व का है।

'वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन काउंसिल' द्वारा वर्ष 2019 का पर्यटन दिवस का थीम है- पर्यटन एवं रोजगार : सभी के लिए एक बेहतर भविष्य। इसे ध्यान में रखते हुए भारत में पर्यटन की संभावनाओं एवं आगामी चुनौतियों पर मंथन समीचीन है, जो अभी तक उपेक्षित रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत में पर्यटन द्वारा आय वर्ष 2017 में 1.77 लाख करोड़ रुपये रही, जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 15.4 प्रतिशत रही। वर्ष 2018 में विदेशी पर्यटकों की संख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में 26वां एवं पर्यटन द्वारा प्राप्त आमदनी की दृष्टि से भारत का 13वां स्थान है। यदि भारत के संपूर्ण सकल घरेलू उत्पादन में पर्यटन क्षेत्र के योगदान को देखा जाय, तो वह 9.6 प्रतिशत है और इस दृष्टि से विश्व में भारत का सातवां स्थान है।

तेजी से उभरते हुए पर्यटन क्षेत्र के लिए जरूरी अवस्थापनात्मक सुविधाओं यथा परिवहन, ऊर्जा, जल का उपभोग, अपशिष्ट उत्पाद आदि स्थानीय समुदाय एवं पर्यावरण को प्रभावित करेंगे, जिसका समुचित प्रबंधन समय की आवश्यकता है। ऐसे समय में जब एक ओर पर्यटन के द्वारा रोजगार एवं आय बढ़ रही हो, दूसरी ओर स्थानीय समुदाय की संस्कृति, धरोहर एवं पर्यावरण पर प्रभाव पड़ रहा हो, इन दोनों के बीच संतुलन एवं समन्वय तथा सामंजस्य पर्यटन नीति का प्रमुख मुद्दा होना चाहिए। इसका समाधान 'सस्टेनेबल टूरिज्म' यानी टिकाऊ पर्यटन है यानी एक ऐसा पर्यटन का स्वरूप तैयार करना जिसमें पर्यटकों की संख्या, रोजगार व आय को सतत रूप बढ़ने के साथ आने पर्यावरण एवं संस्कृति तथा धरोहर को भी सुरक्षित रख सके।

भारत के ग्रामीण क्षेत्र में, जहां 70 प्रतिशत जनसंख्या रहती है, उसके लिए ग्रामीण पर्यटन का प्रावधान ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने एवं आय बढ़ाने के साथ ही निर्धनता उन्मूलन के लिए एक महत्वपूर्ण उपादान होगा। ऐसे समय में जब ग्रामीण क्षेत्रों से, नगरों की ओर जनसंख्या पलायन कर रही हो और गांव उजड़ रहे हों, ग्रामीण पर्यटन का प्रावधान एवं विस्तार गांव के लोगों के बीच आकर्षण पैदा करने के लिए सशक्त माध्यम होगा। पश्चिमी देशों विशेष तौर पर फ्रांस, स्पेन एवं जापान में ग्रामीण पर्यटन इस दृष्टि से सफल सिद्ध हुआ है तथा रोजगार सृजन एवं आय की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपक्रम के रूप में काम कर रहा है। आज आवश्यकता है कि भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इसके मजबूत पक्षों को और मजबूती प्रदान करने और इसके कमजोर पक्षों की कमजोरियों को दूर करने पर नियोजकों एवं नीति निर्धारकों का ध्यान आकर्षित किया जाय।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा 140 देशों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए 'ट्रैवल एवं टूरिज्म प्रतिस्पर्धा सूचकांक' के अनुसार भारत सांस्कृतिक संसाधन, मूल्य प्रतिस्पर्धा, प्राकृतिक संसाधन स्थल परिवहन एवं वायु परिवहन के पक्षों पर पर्यटन की दृष्टि से बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इस दृष्टि से उक्त मानकों पर भारत का विश्व में स्थान क्रमशः 13वां, 14वां, 28वां और 33वां है। परंतु चार बिंदुओं क्रमशः पर्यावरण सामर्थ्य, पर्यटन सेवा अवस्थापना सुविधा, पर्यावरणीय वहनीयता तथा यातायात की प्राथमिकता इसके कमजोर पक्ष हैं और इस दृष्टि से विश्व में इनका स्थान क्रमशः 98, 109, 128 एवं 94वें क्रमांक पर है। इन कमजोरियों को दूर करते हुए भारत में वर्तमान में पर्यटन को अर्थतंत्र का प्रमुख क्षेत्र मानते हुए ग्रामीण पर्यटन पर विशेष प्राथमिकता अपेक्षित है। टिकाऊ ग्रामीण पर्यटन की व्यवस्था हेतु यहां उल्लिखित सात बिंदुओं पर नियोजकों एवं नीति-निर्धारकों का ध्यान वांछित है। प्रथम है- स्थानीय संस्कृति का संरक्षण, जबकि दूसरा है- वन एवं वन्य जीव-जंतु की गुणवत्ता को बनाए रखना। तीसरा है- पर्यटन के विकास के साथ-साथ स्थानीय समुदाय की प्रभावी सहभागिता तथा सामुदायिक विकास सुनिश्चित करना। चौथा महत्वपूर्ण बिंदु है कि ग्रामीण पर्यटन का विकास करते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि बाहर से आने वाले पर्यटक, स्थानीय संस्कृति, धार्मिक एवं सामाजिक मान्यताओं को ठेस नहीं पहुंचाएं। टिकाऊ पर्यटन को गरीबी उन्मूलन की रणनीति के रूप में देखा जाना पांचवां बिंदु है। पर्यटकों एवं पर्यटन स्थलों की गरिमा बनाए रखने की दृष्टि से कानूनी प्रावधानों को मजबूती देना छठा बिंदु है। सातवां यह है कि राज्य सरकारें पर्यटन की संभावनाओं वाले क्षेत्रों को अभिलक्षित करें और पर्यटकों के अनुकूल आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान करें। पर्यटन एक ऐसा उद्योग है जो भारत जैसे विकासशील देश की अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने में भरपूर योगदान दे सकता है।

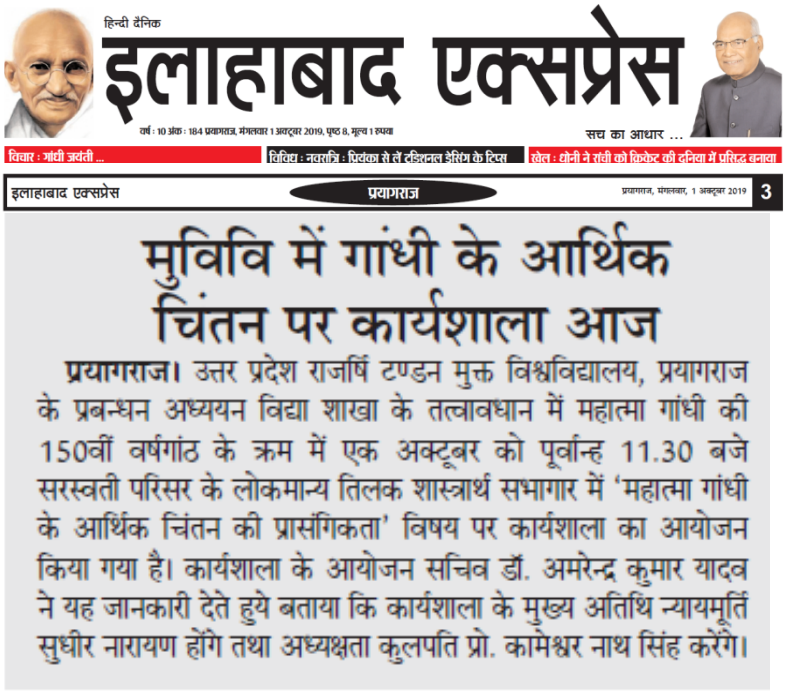

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

वर्ष : 10 अंक : 184 प्रयागराज, मंगलवार 1 अक्टूबर 2019, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

सच का आधार ...

विचार : गांधी जयंती ... | विविध : नवरात्रि : प्रियंका से लें टशिनल डेशिंग के टिप्स | खेल : धोनी ने रांची को क्रिकेट की दुनिया में प्रसिद्ध बनाया

इलाहाबाद एक्सप्रेस | प्रयागराज | प्रयागराज, मंगलवार, 1 अक्टूबर 2019 | 3

मुविवि में गांधी के आर्थिक चिंतन पर कार्यशाला आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के तत्वावधान में महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के क्रम में एक अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.30 बजे सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'महात्मा गांधी के आर्थिक चिंतन की प्रासंगिकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने यह जानकारी देते हुये बताया कि कार्यशाला के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज

मुविवि में गांधी के आर्थिक चिंतन पर कार्यशाला आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के तत्वावधान में महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ के क्रम में एक अक्टूबर को पूर्वान्ह 11.30 बजे सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ह्यमहात्मा गांधी के आर्थिक चिंतन की प्रासंगिकताह्न विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने यह जानकारी देते हुये बताया कि कार्यशाला के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।